सतगुरु दिता मेनू मस्त बना

सतगुरु दिता मेनू मस्त बना मस्तियाँ मैं वंडदी मैं फिरा
मेरे नैना विच नाम दा नशा मस्तियाँ मैं वंडदी फिरा

मिट गए ने गम सारे चढ़दी मस्ती
सिर दितियाँ वी मिले समजो ए सस्ती
इस आनंद दा की मूल मैं पा मस्तियाँ मैं वंडदी फिरा

सतगुरु दिता मेनू मस्त बना मस्तियाँ मैं वंडदी मैं फिरा
मेरे नैना विच नाम दा नशा मस्तियाँ मैं वंडदी फिरा

सतगुरु नाम वाला ए नशा ही अनोखा ऐ
इस दुनिया दे विच पल पल धोखा ऐ
पी के नाम रस नाचदी फिरा मस्तियाँ मैं वंडदी फिरा

सतगुरु दिता मेनू मस्त बना मस्तियाँ मैं वंडदी मैं फिरा
मेरे नैना विच नाम दा नशा मस्तियाँ मैं वंडदी फिरा

दुनिया दा बाली सईयो अन्द्रो मैं पा लया
नैना विच मेरे हिरदे सतगुरु डेरा ला लया
मेरे रोम रोम गया ओ समा मस्तियाँ मैं वंडदी फिरा

सतगुरु दिता मेनू मस्त बना मस्तियाँ मैं वंडदी मैं फिरा
मेरे नैना विच नाम दा नशा मस्तियाँ मैं वंडदी फिरा

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34359/title/Satguru-dita-menu-mast-bana-mastiya-main-vandadi-fira

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |